ज़िला न्यायालय

प्रिलिम्स के लिये:

ज़िला न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय

मेन्स के लिये:

भारत की न्यायिक प्रणाली में ज़िला न्यायालय का महत्त्व, न्यायिक अधिकारियों की निष्पक्षता के लिये वित्तीय सुरक्षा एवं स्वतंत्रता का महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

भारत के [**सर्वोच्च न्यायालय**]() **ने न्याय को बनाए रखने में ज़िला न्यायालय** की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया है और **इसकी स्वतंत्रता** को [**संविधान की मूल संरचना**]() का एक **अभिन्न अंग घोषित किया है।**

- हाल ही के एक निर्णय में न्यायालय ने **वित्त के मामलों सहित कार्यपालिका और विधायिका से न्यायिक स्तर पर स्वतंत्रता** की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।
- **अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ** द्वारा दायर एक याचिका के आधार पर दिये गए निर्णय में ज़िला न्यायालय के कामकाज एवं कल्याण के लिये महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश और सिफारिशें जारी की गई हैं।

ज़िला न्यायालय:

- **परिचय:**
    - ज़िला न्यायालय **भारत में ज़िला स्तर पर न्यायिक प्रणाली** को संदर्भित करता है। यह **न्यायपालिका का पहला स्तर** है और स्थानीय स्तर पर मामलों की सुनवाई तथा निर्णय लेने के लिये ज़िम्मेदार है।
    - ज़िला न्यायालय **ज़िला अदालतों और अन्य निचली अदालतों** से बनी होती है जिसकी **अध्यक्षता ज़िला न्यायाधीश और अन्य न्यायिक अधिकारी** करते हैं।
- **ज़िला न्यायालय का महत्त्व:**
    - ज़िला न्यायालय **कानून के शासन** को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ज़िला न्यायालय वादियों के लिये न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करके न्याय के प्रस्तावना लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रभावशाली भूमिका अदा करता है।
    - ज़िला न्यायालय, **वादियों के लिये सबसे सुलभ अदालत** होने के नाते **न्याय प्रणाली और लोगों के बीच प्राथमिक अंतराफलक के रूप में कार्य** करता है।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:

- **ज़िला न्यायालय की स्वतंत्रता:**
    - सर्वोच्च न्यायालय, ज़िला न्यायालय की स्वतंत्रता को **संविधान के मूल ढाँचे** का एक महत्त्वपूर्ण भाग घोषित करता है।
    - ज़मीनी स्तर पर निष्पक्ष और स्वतंत्र न्यायाधीशों की मौजूदगी के बिना **एक प्रस्तावना लक्ष्य एवं न्याय तक पहुँच** में भ्रम बना रहेगा।
- **"अधीनस्थ" अब नहीं:**
    - **यह शब्द "अधीनस्थ न्यायपालिका (Subordinate Judiciary)" को खारिज कर दिया गया क्योंकि यह ज़िला न्यायाधीश की संवैधानिक स्थिति को गलत तरीके से प्रस्तुत करता है।**
        - संविधान ज़िला न्यायाधीशों को न्यायिक प्रणाली के महत्त्वपूर्ण घटकों के रूप में मान्यता देता है और उनकी रक्षा करता है।
    - साथ ही ज़िला न्यायालय और उसके योगदान को अधिक सम्मान दिया जाना चाहिये।
- **ज़िला न्यायालय के महत्त्व की मान्यता:**
    - ज़िला न्यायालय कानून के शासन को बनाए रखने और न्याय प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
    - यह प्रतिदिन लगभग 1.13 मिलियन मामलों को संभालने के साथ वादियों हेतु आसानी से सुलभ न्यायालय है।

- इसने महामारी के दौरान भी कामकाज़ में दक्षता प्रदर्शित की, साथ ही समय पर न्याय सुनिश्चित किया।
- **न्यायिक अधिकारियों हेतु वित्तीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता:**
    - ज़िला न्यायालय में सेवारत न्यायिक अधिकारियों की स्वतंत्रता न्याय व्यवस्था हेतु महत्त्वपूर्ण है।
    - न्यायिक अधिकारियों की निष्पक्षता बनाए रखने हेतु उनकी वित्तीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता आवश्यक है।
    - **न्यायिक अधिकारी लगभग 15 वर्ष से बिना वेतन पुनरीक्षण का काम कर रहे हैं।**
- **सिफारिशें और निर्देश:**
    - **न्यायिक अधिकारियों को बढ़ा हुआ वेतन, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति संबंधी लाभ देने का आदेश दिया गया।**
    - न्यायिक अधिकारियों का वेतन **एकल आधार पर निर्धारित (Stand-alone) होना चाहिये और इसकी तुलना राजनीतिक, कार्यपालिका या विधायिका के कर्मचारियों से नहीं की जानी चाहिये।**
    - न्यायपालिका की उच्च स्तर की कार्यपद्धति को बनाए रखने के लिये प्रोत्साहन और पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/district-judiciary